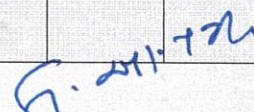


श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावल
डिप्लोमा अभ्यासक्रम (W.E.F. 2024-25)

कक्षा	डिप्लोमा इन मंदिर व्यवस्थापन	समयावधि:	१ वर्षम्
प्रश्नपत्रम् -१	पूजापद्धति	गुणाः	७०
विषय कोड	६२ (DiTM)	पेपर कोड	६२१
युनिट	०३	क्रेडिट	०३

हेतु	इस अभ्यासक्रम द्वारा..... • छात्रों में अध्यात्म का संचार हो और मनुष्य धर्माभिमुख हो। • छात्रों में मूर्तिपूजा का महत्त्व स्पष्ट हो। • छात्रों को मन्दिरों के शिल्पस्थापत्य कला का परिचय हो। • छात्र कथा-प्रवचन एवं सत्संग से अच्छा संस्कारी मानव बने। • छात्र मन्दिर का व्यवस्थापन एवं प्रशासन का ज्ञाता बने। • प्रत्येक नागरिक धर्माभिमुख बने।
------	--

Unit - संख्या नाम च	पाठ्याः विषयाः	पूर्णाङ्काः	घण्टाः	क्रेडिट्
Unit – 1 (एकोपचार, पंचोपचार, षोडशोपचार, विष्णुत्रिंशोपचार एवं राजोपचार पूजा और विविध स्तोत्र एवं व्रतों का परिचय)	१. एकोपचार, पंचोपचार, षोडशोपचार, विष्णुत्रिंशोप- चार एवं राजोपचार शास्त्रोक्त पूजाक्रम एवं परिचय। (गुण-०९) २. विविध देवी-देवताओं के स्तोत्रों का परिचय। (गुण-०८) 1) सङ्कटनाशनगणेशस्तोत्रम् 2) भवान्यष्टकम् 3) शिवमहिम्नस्तोत्रम् 4) मधुराष्टकम् 5) यमुनाष्टकम् 6) जनमङ्गलस्तोत्रम् ३. विविध व्रतों का परिचय। (गुण-०८) 1) महाशिवरात्रीव्रतम् 2) शारदीयनवरात्रव्रतम् 3) जयापार्वतीव्रतम्	25	16	1


 REGISTRAR (I/c)
 Shree Somnath Sanskrit University
 Veraval Dist: Gir Somnath-362266

	4) संकष्टचतुर्थीव्रतम् 5) श्रीरामनवमीव्रतम् 6) जन्माष्टमीव्रतम् 7) एकादशीव्रतम् 8) ऋषिपञ्चमीव्रतम् 9) वटसावित्रीव्रतम् 10) प्रदोषव्रतम्			
Unit – 2 (आगमग्रन्थों का, मन्दिर की दैनिकक्रिया का, यज्ञ-ध्यान नामसंकीर्तन एवं भक्तिमार्ग का परिचय)	१. शैवागम-शाक्तागम-वैष्णवागमों का परिचय। (गुण-०७) २. मन्दिरों की दैनिक क्रियाओं में मङ्गला-पूजन-शृङ्गार- भोग-उत्थान-सन्ध्या आरती-शयन आरती-ध्वजारोपण विधि परिचय। एवं ग्रहण के दौरान मन्दिर की शास्त्रोक्त आचारसंहिता (गुण-०६) ३. यज्ञ, ध्यान, नामस्मरण एवं नवधाभक्ति का संक्षिप्त परिचय। (गुण-०७) 1) यज्ञ का महत्त्व 2) ध्यान का महत्त्व 3) नामसंकीर्तन का महत्त्व 4) नवधाभक्ति का परिचय एवं महत्त्व	20	13	1
Unit – 3 (पंचांग, मुहूर्तज्ञान एवं सामान्य संस्कृत संभाषण)	१. पंचांग परिचय तिथि-वार-नक्षत्र-योग-करणों के नाम (गुण-०८) २. मुहूर्तज्ञान वास्तु-भूमिपूजन(खात)-उपनयन-विवाह-प्रतिष्ठा-यज्ञ- कथादि के मुहूर्त संबंधी विचार (गुण-०८) ३. संस्कृतसंभाषण- अपना सामान्य परिचय-दिनचर्या एवं विभक्तिप्रयोग वाले वाक्य (गुण-०९) 1) अपना सामान्य परिचय। (ध्यातव्य- प्रश्नपत्र की गोपनीयता बनी रहे इस तरह से प्रश्न पूछा जायेगा।	25	16	1

	2) पारिवारिक, क्षेत्रीय एवं व्यावसायिक सामान्य परिचय । 3) अपना प्रातःउत्थान से रात्रिशयन तक की दिनचर्या का संस्कृत में विवरण । 4) विभक्ति प्रयोग में रिक्तस्थानों की पूर्ति । (सह, प्रति, नमः, दा-यच्छ, दुह, स्पृह, स्निह, अलम्, स्वाहा, स्वधा, कृते इत्यादि के प्रयोगवाले वाक्य)			
--	--	--	--	--

सन्दर्भग्रन्थ	१. आह्निकसूत्रावलिः २. ब्रह्मनित्यकर्मसमुच्चयः ३. पौराणिकर्मदर्पणः ४. बृहत्स्रोत्ररत्नावली ५. कर्मकाण्डप्रदीपः ६. व्रतोद्यापनचन्द्रिका ७. आगमग्रन्थावली ८. बालबोधज्योतिषसारसमुच्चयः ९. मुहूर्तचिन्तामणिः १०. व्यवहारसाहस्री (संस्कृतभारती प्रकाशन)
---------------	--

५. २५. १२

REGISTRAR (I/c)

Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist: Gir Somnath-362266

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावल
डिप्लोमा अभ्यासक्रम (W.E.F 2024-25)

कक्षा	डिप्लोमा इन मंदिर व्यवस्थापन	समयावधि:	१ वर्षम्
प्रश्नपत्रम् -२	मूर्ति-शिल्पशास्त्र तथा प्रवचनपरंपरा का परिचय	गुणाः	७०
विषय कोड	६२ (DiTM)	पेपर कोड	६२२
युनिट	०३	क्रेडिट	०३

Unit - संख्या नाम च	पाठ्याः विषयाः	पूर्णाङ्काः	घण्टाः	क्रेडिट
Unit - 1 (प्रसिद्ध मन्दिरों के मूर्तिशास्त्र का परिचय)	१. गुजरात के मन्दिरों के मूर्तिशास्त्र का परिचय (गुण-०९) 1) सोमनाथ मन्दिर 2) द्वारिका जगत् मन्दिर 3) मोढेरा सूर्यमन्दिर 4) अंबाजी मन्दिर २. भारत के मन्दिरों के मूर्तिशास्त्र का परिचय (गुण-०८) 1) काशीविश्वनाथ 2) जगन्नाथपुरी 3) बद्रीनाथज्योतिर्मठ 4) तिरुपति-बालाजी 5) शृङ्गेरी 6) नाथद्वारा ३. भारत के मन्दिरों में मनाये जानेवाले उत्सव एवं महोत्सवों का वर्णन (गुण-०८) 1) उपर निर्दिष्ट मन्दिर एवं इनके अलावा अन्य मन्दिरों में भी मनाये जानेवाले उत्सव व महोत्सवों का वर्णन।	25	16	1
Unit - 2 (भारतीय शिल्पशास्त्र- स्थापत्यकला एवं मन्दिरों का ऐतिहासिक महत्त्व)	१. मन्दिरों के शिल्पशास्त्र एवं स्थापत्यकला का परिचय। (गुण-०७) २. भारत के सुप्रसिद्ध एवं सुप्रतिष्ठित किसी भी चार मन्दिरों का ऐतिहासिक महत्त्व। (गुण-०६) ३. मन्दिरों की आवश्यकता एवं मन्दिरों का	20	13	1

REGISTRAR (I/c)
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist: Gir Somnath-362266

	आध्यात्मिक महत्त्व । (गुण-०७)			
Unit - 3 (प्रवचनपरंपरा का परिचय)	१. भारतीय शास्त्रों में कथा एवं प्रवचनों का महत्त्व (गुण-०९) 1) श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण 2) महाभारत 3) श्रीमद्भागवतमहापुराण 4) शिवपुराण 5) श्रीमद्देवीभागवत 6) श्रीमद्भगवद्गीता 7) श्रीरामचरितमानस 8) शिक्षापत्री 9) सत्संगिजीवन २. सामाजिक परिवर्तन में मन्दिरों के माध्यम से हो रहे कथा-प्रवचन-सत्संगों का योगदान (गुण-०८) ३. नृत्य, नाटक, वाद्य, गान, भजन, धून का महत्त्व (गुण-०८)	25	16	1

G. M. 122

REGISTRAR (I/c)

Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist: Gir Somnath-362266

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावल
डिप्लोमा अभ्यासक्रम (W.E.F 2024-25)

कक्षा	डिप्लोमा इन मन्दिर व्यवस्थापन	समयावधि:	१ वर्षम्
प्रश्नपत्रम् -३	प्रशासन एवं व्यवस्था	गुणाः	७०
विषय कोड	६२ (DiTM)	पेपर कोड	६२३
युनिट	०३	क्रेडिट	०३

Unit - संख्या नाम च	पाठ्याः विषयाः	पूर्णाङ्काः	घण्टाः	क्रेडिट्
Unit - 1 (मन्दिरों में धार्मिक ट्रस्ट संरचना में कानूनी व्यवस्थातंत्र की आवश्यकता एवं पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड का परिचय)	- मन्दिरों में धार्मिक ट्रस्ट की संरचना एवं ट्रस्टियों का दायित्व। (गुण-०८) - धार्मिक ट्रस्ट संरचना में कानूनी व्यवस्थातंत्र की आवश्यकता का विवरण। 80-6 करमुक्त दान और हिसाब की व्यवस्था - जनसंपर्क एवं मार्गदर्शन व्यवस्था - पवित्र यात्राधाम-विकास-बोर्ड की भूमिका एवं परिचय। (गुण-०८)	25	16	1
Unit - 2 (दर्शनार्थियों सम्बन्धी व्यवस्थापन)	- मन्दिरों में दर्शनार्थियों की विभिन्न व्यवस्थाएँ (गुण-७) - दर्शनव्यवस्था - प्रसादव्यवस्था - भोजनव्यवस्था - आवासव्यवस्था - पार्किंगव्यवस्था - वयोवृद्ध एवं दिव्यांग दर्शनार्थियों की विशेष व्यवस्था - धार्मिक-साहित्य एवं वस्तुविक्रय की व्यवस्था - मन्दिर की स्थावर संपत्ति की जाँच एवं व्यवस्था तथा विकास। (गुण-०६) - मन्दिर की स्वच्छता-उद्यान-गौशाला एवं सामाजिक दायित्व का वहन। (गुण-०७)	20	13	1
Unit - 3 (डिजीटल-प्लेटफॉर्म से मन्दिर का प्रचार-प्रसार)	- डिजीटल-प्लेटफॉर्म के माध्यम से मन्दिर का प्रचार-प्रसार (गुण-०९) - ऑनलाईन दर्शनस्रोत	25	16	1

REGISTRAR (I/c)
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist: Gir Somnath-362266

एवं सामान्य अंग्रेजी एवं कम्प्यूटर ज्ञान)	2) ऑनलाइन पूजा स्रोत एवं अन्य स्रोतों का सविस्तार विवरण 3) ऑनलाईन मार्गदर्शन एवं जनसम्पर्क विवरण २. सामान्य अंग्रेजी परिचय (गुण-०८) 1) मन्दिर के विविध कार्यक्रमों की अनुमति हेतु पॉलिस अधीक्षक को अंग्रेजी में पत्र एवं मन्दिर की सामान्य माहिती प्रदायक वार्तालाप । ३. कम्प्यूटर का सामान्य परिचय- इन्टरनेट, पावरपॉइन्ट प्रेझन्टेशन (गुण-०८) 1) वर्ड एवं एक्सेल का परिचय 2) दृश्य-श्राव्य उपसाधनों से (Light and Sound Show)से मन्दिर का सर्वविध प्रचार-प्रसार			
--	---	--	--	--

५. २५.१०१

REGISTRAR (I /c)
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist:Gir Somnath-362266

श्री सोमनाथ संस्कृत युनिवर्सिटी, वेरावल
डिप्लोमा दूरवर्ती अभ्यासक्रम- (w.e.f. २०२४-२५)

Diploma (पदविका)
मन्दिर व्यवस्थापन
प्रश्नपत्र का प्रारूप १, २ एवं ३

युनिट	विवरण	गुण	आहत्य गुण
1	१. व्याख्यात्मक / वर्णनात्मक प्रश्न (तीन प्रश्नों में से दो के उत्तर लिखें।) २. व्याख्यात्मक / वर्णनात्मक प्रश्न (दो प्रश्नों में से एक का उत्तर लिखें।)	5 गुण के दो प्रश्न 10 गुण का एक प्रश्न	10 10
2	१. व्याख्यात्मक / वर्णनात्मक प्रश्न (तीन प्रश्नों में से दो के उत्तर लिखें।) २. व्याख्यात्मक / वर्णनात्मक प्रश्न (दो प्रश्नों में से एक का उत्तर लिखें।)	5 गुण के दो प्रश्न 10 गुण का एक प्रश्न	10 10
3	१. व्याख्यात्मक / वर्णनात्मक प्रश्न (तीन प्रश्नों में से दो के उत्तर लिखें।) २. व्याख्यात्मक / वर्णनात्मक प्रश्न (दो प्रश्नों में से एक का उत्तर लिखें।)	5 गुण के दो प्रश्न 10 गुण का एक प्रश्न	10 10
4	युनिट १, २, एवं ३ से आहत्य १५ हेतुलक्षी प्रश्न में से १० के उत्तर	सभी प्रश्नों का १ गुण	10
गुणांक			70

६. २५.१२५
REGISTRAR (I /c)
Shree Somnath Sanskrit University
Veraval Dist:Gir Somnath-362200